BSAG-808

JS UNIVERSITY

(University Established by U.P. Govt. Act. No. 7 of 2015)
(Recognized by UGC as per Section 2(f) of UGC Act. 1956)

Mainpuri Road, Shikohabad, Firozabad, Uttar Pradesh

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव
(RAWE)
RURAL AGRICULTURAL WORK EXPERIENCE

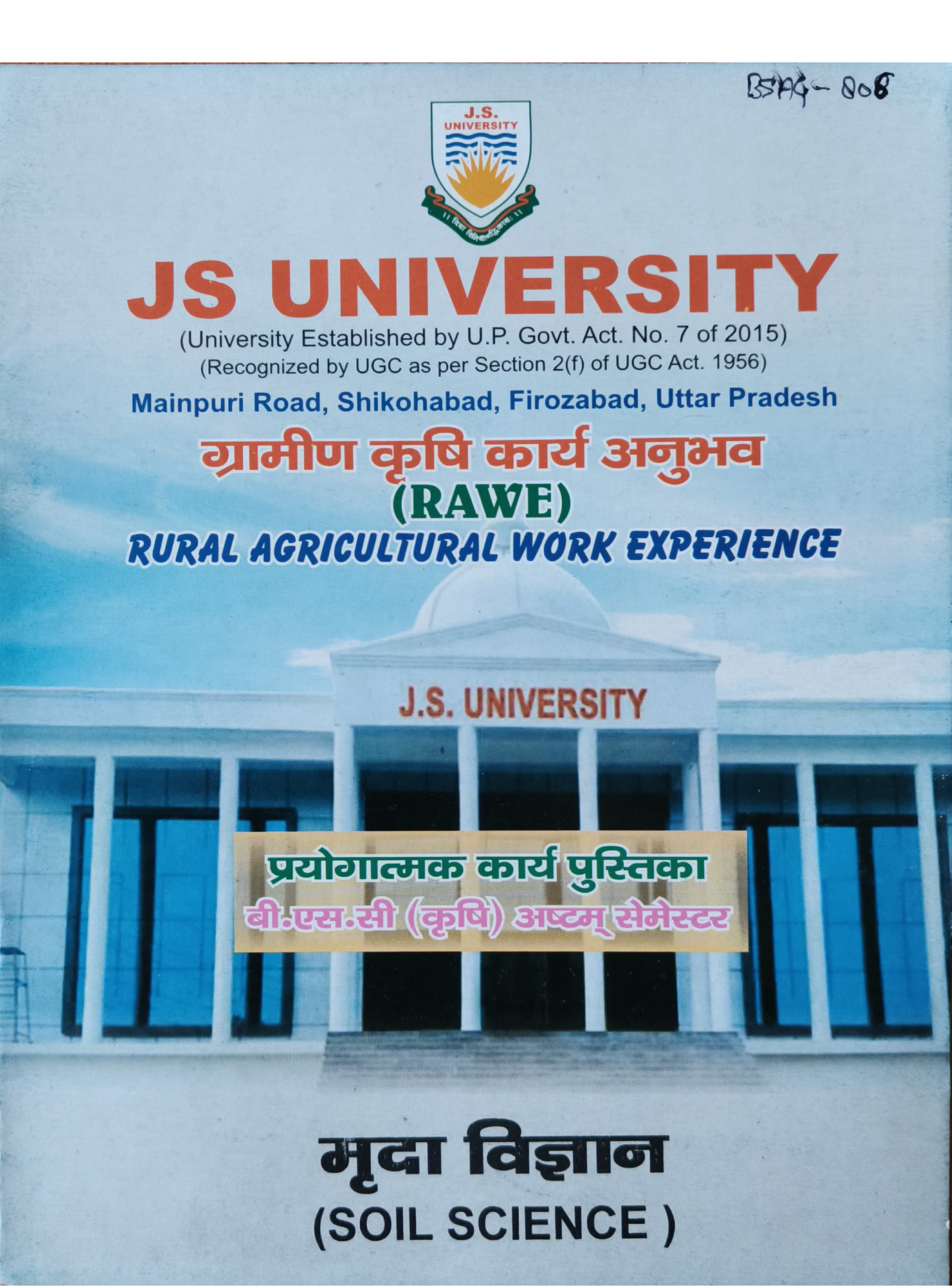

प्रयोगात्मक कार्य पुस्तिका
बी.एस.सी (कृषि) अष्टम् सेमेस्टर

मृदा विज्ञान
(SOIL SCIENCE)

ग्रामीण जागरूकता कार्य अनुभव

(RAWE)

RURAL AWARENESS WORK EXPERIENCE

प्रयोगात्मक कार्य पुस्तिका

बी. एस. सी (कृषि) अष्टम सेमेस्टर

मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान

(SOIL SCIENCE AND SOIL CHEMISTRY)

छात्र/छात्रा
अपना फोटो
चिपकायें

विद्यार्थी का नाम – Himanshu Gautam

पिता का नाम – Shiv Datt Gautam

अनुक्रमांक – 1811002538 शैक्षिक–सत्र 2021-22

9997275237

सम्बद्ध

[redacted]

मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग
(Department of Ag. Chem. and Soil Science)

मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान (Ag. Chem. and Soil Science)

1. मृदा नमूने एकत्रित करने के यंत्र एवं उनके प्रयोग करने की विधि :
(Equipments of collected soil sampling and method of their use.)
खुरपी, फावड़ा, ट्रे, पेन, धागा, मृदा का सूचना पत्र आदि को खेत के चारों ओर से तथा बीच में से मिट्टी निकालते हैं।

2. मृदा नमूने एकत्रित करने की विधि एवं सावधानियाँ :
(Method and Precausion during soil sampling.)
जिस खेत में से मिट्टी की जाँच करवानी है उस खेत में 8-10 निशान लगालें सभी स्थानों में 15cm गहराई तक खोद कर मिट्टी निकाले/गीली मिट्टी का नमूना लें

3. मृदा परीक्षण का महत्व एवं उससे लाभ :
(Importance of soil sampling & its benefits.)
मृदा परिक्षण की जाँच एक रासायनिक जाँच है, जिससे भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा के बारे में जानकारी मिलती है। इस परीक्षण का उद्देश्य मृदा में पोषक तत्वों एवं उर्वरता को मापना

4. प्रयोगशाला में लाये गये नमूनों की तैयारी :
(Preparation of samples in laboratory.)
मृदा नमूना पूरे खेत का प्रतिनिधित्व करे यदि प्रतिनिधित्व नहीं करता तो उसका सही से परीक्षण नहीं किया जा सकता।

5. मृदा में उपलब्ध विभिन्न पोषक तत्वों को ज्ञात करना :
(Determination of various nutrients present in soil.)
मृदा में 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है जैसे - NPK, Ca, K, P आदि

6. मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों एवं खादों की अनुशंसा :
(Recommendation fertilizers on the basis of soil test.)
N.P.K. (उर्वरकों को करने पर जिन तत्वों की कमी होती है उनकी पूर्ति करते हैं।)

7. खादों एवं उर्वरकों की खेत में प्रयोग करने की विधि :
(Methods of application of fertilizers in the field.)
बेसल विधि एवं टॉप ड्रेसिंग विधि

8. दलहनी फसलों में पाई जाने वाली जड़ ग्रन्थियों की उपयोगिता :
(Importance of nodules present in pulse crops.)
जड़ ग्रन्थियों में राइजोबियम नामक जीवाणु वातावरण से नाइट्रोजन का स्थिरिकरण करता है।

9. राइजोवियम कल्चर प्रयोग करने की विधि :
(Method of application of Rhizobium culture.)
राइजोबियम कल्चर का प्रयोग उपचार के लिए 1 ली० पानी में 60g गुड़ डालकर गरम करके घोल बनाये और ठण्डा होने पर इसमें 3 पै० राइजोबियम कल्चर मिलाए इस घोल 1 hac. में बीजोपचार के लिए उपयोग करें।

10. दलहनी फसलों में पायी जाने वाली जड़ ग्रंथियों की संख्या :
(Number root noduls present in pulse crops.)

Himanshu Gautam
(Signature of student)

(Remark/Signature of Teacher)